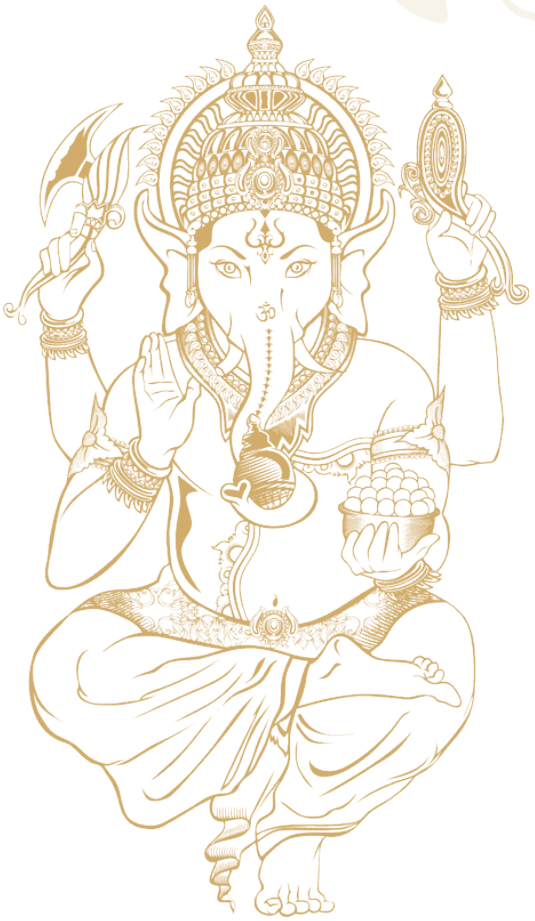

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121268504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-31/03/1993	जन्म तिथि	14/08/2000
मंगल-बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	18:20:00 घंटे
घटी 59:47:29	जन्म समय(घटी)	30:58:05 घटी
India	देश	India
Nim Ka Thana	स्थान	Rewari
27:44:00 उत्तर	अक्षांश	28:11:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:00	सूर्योदय	05:52:53
18:43:36	सूर्यास्त	19:02:54
23:46:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 0मा 11दि		13:55:45	मीन	लग्न	मक	16:11:46	चन्द्र 2वर्ष 0मा 17दि	
शनि		16:33:18	मीन	सूर्य	कर्क	28:09:50	राहु	
11/04/2016		14:47:32	मिथु	चंद्र	मक	20:36:14	01/09/2009	
11/04/2035		24:15:26	मिथु	मंगल	कर्क	14:49:51	01/09/2027	
शनि	14/04/2019	19:37:01	कुंभ	बुध	कर्क	20:12:24	राहु	14/05/2012
बुध	23/12/2021	15:57:46	कन्या व	गुरु	वृष	14:05:29	गुरु	07/10/2014
केतु	31/01/2023	19:00:36	मीन व	शुक्र	सिंह	15:43:54	शनि	13/08/2017
शुक्र	02/04/2026	02:44:28	कुंभ	शनि	वृष	06:22:34	बुध	02/03/2020
सूर्य	15/03/2027	20:34:42	वृश्चि	राहु व	कर्क	00:40:25	केतु	20/03/2021
चन्द्र	13/10/2028	20:34:42	वृष	केतु व	मक	00:40:25	शुक्र	20/03/2024
मंगल	22/11/2029	28:07:52	धनु	हर्ष व	मक	24:51:10	सूर्य	12/02/2025
राहु	28/09/2032	27:14:27	धनु	नेप व	मक	10:50:55	चन्द्र	14/08/2026
गुरु	11/04/2035	01:27:45	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:18:06	मंगल	01/09/2027

लग्न-चलित

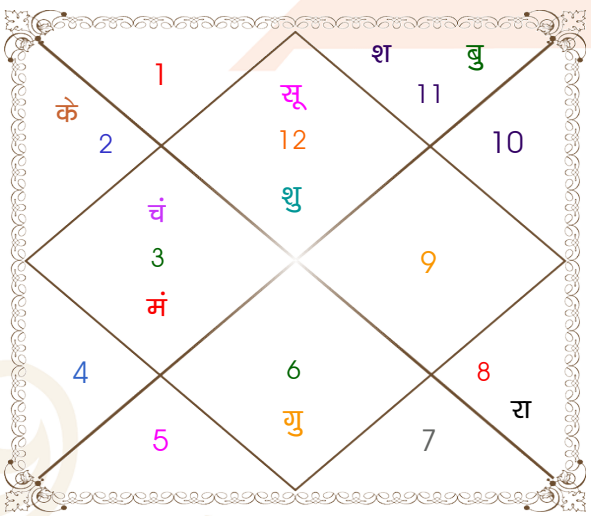

लग्न-चलित

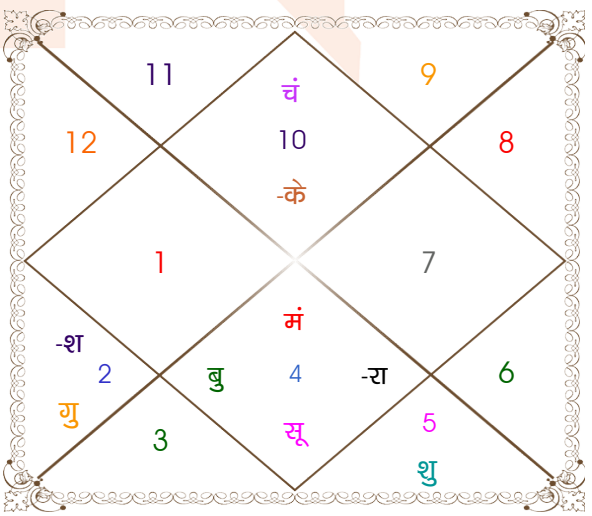

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

A का वर्ग मार्जार है तथा B का वर्ग मार्जार हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र A कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता हैA

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु B कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।